विभिन्न नगरों में क्षमावाणी पर्व हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न...

राजेश जैन, **झाँसी।** हृदय की कलुषता समाप्त करने का नाम क्षमा है। क्षमावाणी पर्व साधुओं के लिए नहीं बल्कि गृहस्थों के लिए है क्योंकि साधु तो रोज दोनों समय की सामायिक के पूर्व संसार के सभी प्राणियों से प्रतिक्रमण के माध्यम से क्षमा मांगते हैं। एक क्षमा ही है जिससे लौकिक एवं अध्यात्मिक सभी कार्यों की सिद्धि होती है एवं लक्ष्य की प्राप्ति होती है। परिवार व समाज में प्रत्येक सदस्य की अपनी अपनी सामर्थ होती है जब हम एक दूसरे को सम्मान देते हुए उनका योगदान लेते हैं तो परिवार व्यापार एवं समाज में अतिशय वृद्धि होती है। हमारे आचार्यों ने कहा है संगठन में ही शक्ति है इस भावना को जीवन में स्वीकार कर परिवार, समाज एवं देश में अपना योगदान करना चाहिए। अपराध बोध होने पर ही क्षमा भाव उत्पन्न होता है तब जाकर प्रायश्चित करने की दशा आती है यह देशना नगर में चातुर्मासरत पूज्य गणिनी आर्यिका रत्न विभाश्री माताजी ने एक धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन राजीव जैन सिर्स ने एवं गीतकार सौरभ जैन ने आध्यत्मिक भजन गाकर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। क्षमावाणी पर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप जैन आदित्य पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार रहे। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष अजित जैन, प्रकाशचंद जैन एडवोकेट, डॉ जिनेन्द्र जैन, अमित जैन, डॉ जयेश जैन, आलोक जैन विश्व परिवार, देवेंद्र जैन मगरपुर, जितेंद्र जैन, मनोज जैन भंडारी, संजय सिंघई, राजेन्द्र सिंघई, राजकुमार भंडारी, विनोद ठेकेदार, सुभाष जैन, रविन्द्र जैन रेलवे, ज्ञानचंद जैन, भामाशाह जैन, वीरेंद्र कुमार जैन, विशाल जैन, हुकुमचंद जैन, ब्रजेन्द्र जैन, बाहुबली जैन आदि उपस्थित रहे।

निवाड़ी में पर्यूषण पर्व के समापन पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ विमान जी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज के साथ मुख्य रुप से निवाड़ी विधायक अनिल जैन एवं हेमंतकुमार जैन, रोहन जैन, अनन्त जैन, सुभाष जैन, संजीव जैन, विवेक कुमार जैन, आनन्द जैन आदि उपस्थित रहे।

टेहरका में पर्यूषण पर्व के समापन पर क्षमावाणी पर्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सकल जैन समाज के अलावा अजय कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, विजय कुमार जैन, पुष्पेन्द्र कुमार जैन, दीपक जैन आदि उपस्थित रहे।

मगरपुर में पर्यूषण पर्व पर दस दिन का विधान सानंद सम्पन्न हुआ। इसके अगले दिन क्षमावाणी पर्व शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज के अलावा प्रमुख रूप से संतोष कुमार जैन, डॉ के. एल. जैन, जयकुमार जैन, आनन्द कुमार जैन, विवेक कुमार जैन, अंकुर जैन, श्रुत जैन, जिनेन्द्र कुमार जैन, अभिनन्दन कुमार जैन, अमित कुमार जैन, नेमीचंद जैन, आदीश जैन, सम्यक जैन आदि उपस्थित रहे।

पुष्पेन्द्र मोदी, **बाकल।** आर्यिकारत्न उपशांतमति माताजी ने कहा कि जब तक मन की कटुता दूर नहीं होगी तब तक क्षमावाणी पर्व मनाने का कोई अर्थ नहीं है, जैन धर्म समभाव क्षमा भाव भी सिखाता है रोजमर्रा की सारी कटुता कलुस्ता को भूल कर एक दूसरे से माफी मांगते हुए और माफ करते हुए क्षमा पर्व मनाना चाहिए। पर्यूषण पर्व समापन अवसर पर दस दिनों तक आराधना के महापर्व दसलक्षण की सभी समाज जनों ने आराधना की, धर्म ध्यान में समय बिताया। श्री जिनेन्द्र देव का धर्मयात्रा रथ नगर भ्रमण के लिए सत्य, अहिंसा के जयघोष के साथ हर्षोल्लास पूर्वक नगर के प्रमुख मार्गो से उपशांतमति माताजी ससंघ के सानिध्य में निकला शोभायात्रा मार्ग में जगह-जगह पर श्रीजी का पूजन व आरती की गई धर्म प्रभावना के रूप में यात्रा सानंद संपन्न हुई। मंदिर जी में श्रीजी का भव्य मस्तिकाभिषेक, शांतिधारा के कार्यक्रम हुए इस अवसर पर नगर के प्रमुख समाजजनों के साथ समाज के अनेक श्रावकों की सराहनीय उपस्थिति रही। सकल जैन समाज युवक मंडल, युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल ने इस आयोजन में अपना महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय सहभागिता निभाई।

अरविंद कुमार, **जबलपुर।** नगर के सभी जिनालयों में दसलक्षण पर्व सानंद संपन्न हुआ। जिनालयों में परंपरानुसार अभिषेक, शांति धारा पूजा, भक्ति व तत्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया। संध्याकाल में संगीतमय आरती, भजन व नृत्य नाटिका और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महिला मंडलों द्वारा आयोजित संपन्न हुए। नगर के श्री चंद्रप्रभु दि. जैन मंदिर संगम कॉलोनी में सांगानेर के पंडित श्री अरुण शास्त्री द्वारा रात्रि में प्रवचन का लाभ समाज जनों ने पूर्ण मनोयोग लिया। दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर तप साधना करने वालों श्रावकों का सम्मान किया गया। मंदिरों में सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों को संचालित करने वाले संगठनों का भी सम्मान किया गया तत्पश्चात क्षमावाणी पर्व के पुनीत अवसर पर समाजजनों ने एक दूसरे से क्षमा याचना की। इस अवसर पर जयकुमार जैन, अरविंद कुमार जैन, डॉ सुनील जैन, अश्विनी जैन, प्रदीप जैन, आलोक जैन गुड्डू एवं अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

गुदरी, झाँसी – श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर गुदरी में पर्यूषण पर्व के समापन पर वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री विरागसागरजी की परम प्रभावी शिष्या पूज्य गणिनी आर्यिका रत्नविभाश्री माता जी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जिनालय के निर्माण एवं जीर्णोद्धार में अपने धन का सदुपयोग करना चाहिए। सामूहिक धार्मिक आयोजन समाज के हर वर्ग को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं तथा समाज में वात्सल्य एवं शांति स्थापित करते हैं। जो श्रावक आज उपवास व्रत आदि की तपस्या करते हैं वह भविष्य में साधु बनकर समतापूर्वक मरण कर स्वर्ग का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इस अवसर पर जिन्होंने 10 दिन के उपवास किए उन्हें सर्वश्री सनत जैन ने सम्मानित किया। दीप प्रज्वलन श्रीमती प्रभा जैन, रविन्द्र मोदी, अरविन्द जैन एवं राजीव जैन सिर्स ने किया श्रीजी का अभिषेक रवि जैन कंधारी, राहुल जैन मांची, विनोद जैन ठेकेदार एवं विनोद नायक ने किया। शांति धारा के पुण्यार्जक अतुल जैन दिल्ली एवं विवेक नायक रहे। इस भव्य समारोह में हुकुमचंद जैन, महेंद्र जैन, धरणेन्द्र जैन, शिरोमणि जैन, अजय धमसिया, राजेन्द्र बड़जात्या, वीरेंद्र जैन बुड़पुरा, आलोक जैन, अशोक जैन, मनोज जैन, जितेंद्र जैन, अनिल जैन, सौरभ जैन, नीरज जैन आदि बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं धर्मावलंबी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अंचल जैन एवं आभार सनत जैन ने द्वारा व्यक्त किया गया।

हार्दिक बधाईयाँ

दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप हासिल नहीं कर सकते, बस कुछ अलग कर गुजरने का जुनून होना चाहिए। टाटा ए.आई.ए लाइफ इंश्योरेंस में लगातार चार वर्षों से इंश्योरेंस सेक्टर का अंतराष्ट्रीय ऑस्कर अवार्ड **MDRT** का खिताब अपने नाम करने वाले **गोलालारीय दर्शन के हमारे बुन्देलखण्ड प्रभारी राजेश जैन हैं,** पूर्व में भी कई पुरस्कार आपकों प्राप्त हुए है। अभी हाल ही में थाईलैण्ड में आयोजित टाटा कॉन्क्लेव में उन्होंने सहभागिता की। इसी माह वे आस्ट्रेलिया में आयोजित टाटा कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करेंगे जहां उन्हें **MDRT** अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। **गोलालारीय दर्शन परिवार** की ओर से बहुत बहुत बधाई।

सम्मेद शिखरजी में सिलवानी के युवाओं का सराहनीय कार्य – 22 सितम्बर को श्री सम्मेद शिखर पर्वत पर वंदना के दौरान सागर के एक महानुभाव का हृदयगति रुकने से देह परिवर्तन हो गया। पार्थिव शरीर को पर्वत से नीचे तक लाने हेतु डोली बालों ने 20-25 हजार की माँग की। सिलवानी मप्र के युवाओं ने इस संवेदनशील परिस्थिति को भांपते तत्काल निर्णय लेते हुए 10 युवाओं ने 5000 रु. में डोली लेकर स्वयं अपने कंधो पर डोली उठाकर पार्थिव शरीर को नीचे मधुबन लेकर आये एवं चिकित्सालय में आवश्यक कार्यवाही करवाने में परिजनों को महत्वपूर्ण सहयोग किया। सिलवानी के इन युवकों की टीम ने **'सेवा ही धर्म है'** इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए अपनी सच्ची सेवा को प्रदर्शित किया इसकी जितनी सराहना की जाए सो कम है। पूज्य मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ने ऐसे सभी युवकों की सक्रियता पूर्ण सेवा की सराहना करते हुए खूब आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार की परिस्थितियों के निराकरण हेतु एक कार्ययोजना बनायी जावेगी। स्रोत -अनिल जैन बड़कुल, ए बी जैन न्यूज़ समूह

सादर आमंत्रण – इन्दौर के सुखलिया स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में 1 नवम्बर से 8 नवम्बर तक श्री 108 मंडल श्री श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। इस जिनालय में भूतल की वेदीजी पर विराजमान श्रीजी का नवम्बर 21 में भव्य पंचकल्याणक साआनंद संपन्न हुआ था। पंचकल्याणक के प्रथम वर्ष के अवसर पर हम आपको सिद्धचक्र महामंडल विधान के लिए सादर आमंत्रित करते है। आपका आगमन सुखलिया समाज एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए गौरवशाली रहेगा।

आदिनाथ दि. जैन मंदिर कार्यकारिणी चुनाव सर्वानुमति से संपन्न...

गंजबासौदा के गांधी चौक स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के कार्यकारिणी चुनाव सर्वानुमति से संपन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष श्री रमेशचंद भंडारी, महामंत्री श्री पवन जैन प्रेस व मंत्री श्री धर्मेन्द्र जैन को चयनित किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने मंदिरजी से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों की संरक्षक कमेटी का गठन किया।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

* **श्रीमती कमलादेवी जैन** स्व. श्री अमरचंद जैन का देवलोकगमन 6 अगस्त को बबीना में हो गया।
* श्री विजयकुमार जैन के बड़े सुपुत्र **श्री योगेश जैन** का देवलोकगमन 12 अगस्त को सम्मेदशिखर जी में हो गया था आप काफी धार्मिक स्वभाव के व्यक्ति थे। * श्री गुलजारीलालजी के पुत्र **नवीनकुमारजी जैन** का देवलोकगमन 14 सितम्बर को देवेंद्रनगर में हो गया। * श्री अजयकुमार जैन 'ललितपुर' के पौत्र एवं श्री राजीव जैन के सुपुत्र **श्री रोहन जैन** का देवलोकगमन 25 सितम्बर को हो गया उनकी स्मृति में परिजनों द्वारा इन्दौर समाज के कुमेडी स्थित नवीन जिनालय हेतु 11000 दान की घोषणा की हैं।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।